भाग अ - परिचय					
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र	वर्ष: प्रथम वर्ष सत्र:202	21-22			
पाठ्यक्रम का कोड	V1-HOR-HORT				
पाठ्यक्रम का शीर्षक	हॉर्टिकल्चर				
पाठ्यक्रम का प्रकार :	व्यावसायिक				
पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	विद्यार्थी ने 12 में बायलॉजी विषय पढ़ा हो				
पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धिय (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO	विद्यार्थी को हॉर्टिकल्चर से संबंधित समग्र जानकारी हो जावेगी। वह पुष्पीय पौधो की पहचान, खेती, प्रबंधन तथा बाजार की जरूरतों को समझ सकेगा।				
अपेक्षित रोजगार / करियर के अवसर	इस पाठ्यक्रम के शिक्षार्थी पुष्प विपणन, बागवानी और आवश्यक तेल से संबंधित उद्योगों में नौकरी और रोजगार के अवसरों का प्राप्त कर सकेंगे।				
क्रेडिट मान	4	4			
	भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु				
व्याख्यानों की कुल संख्या +	प्रैक्टिकल (प्रति सप्ताह घंटों में): व्याख्यान -1 घंटा / प्रैक्टिकल अवधि -1	प्रायोगिक घंटा			
	व्याख्यान/प्रैक्टिकल की कुल संख्या : L-30hrs/P-30hrs				
मॉड्यूल	विषय	घंटे			
और पौधों का औद्यो शाकीय एवं झरमुद	। इतिहास, दायरा और महत्व। भारत में वाणिज्यिक बागवानी। सजावटी पृ गेक महत्व। सजावटी पौधे उनका वर्गीकरण तथा खेती: एक वर्षीय पौधे. समुदाय अंलकृत बाड़े, एजिंग, शोभाकार लताएँ .	र्लों 10			
II निम्नलिखित फूलों र्क उत्पादन तकनीकें- पैराडाइज, जरबेरा, कटे और खले फलों	निम्नलिखित फूलों की फसलों के घरेलू और निर्यात बाजार के लिए अलंकृत पुष्पीय पौधों की उत्पादन तकनीकें- गुलाब, गेंदा, गुलदाउदी, ग्लेडियोलस, चमेली, डहलिया, ट्यूबरोज, बर्ड ऑफ पैराडाइज, जरबेरा, क्रॉसेंड्रा. कटे और खुले फूलों की कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी । निर्जलीकरण तकनीक। इनडोर पौधों का उत्पादन और उनका रखरखाव। फूलों की व्यवस्था: प्रकार और शैलियाँ।				
ग्लास हाउस. नेट हा	उस जैसे संरक्षित वातावरण में पौधे उगाना। लॉन की स्थापना के तरीके औ i सिंचाई, उर्वरक, घास काटना, कीट- पीडक और रोग तथा उनका नियंत्र	र 10			

प्रायोगिक पाठ्यक्रम	
1. वार्षिक, शाकाहारी, बारहमासी की पहचान और विवरण। व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण पुष्पकृषि फसलों की पहचान।	30
2. ग्लैंडियोलस, कार्नेशन में प्रसार तकनीक। गुलदाउदी और कंद में प्रजनन तकनीक। 3. बीज बोना और वार्षिक पौध उगाना। 4. कटिंग के विशेष संदर्भ में सजावटी पौधों का प्रसार	
5. विशेष रूप से लेयरिंग के संदर्भ में सजावटी पौधों का प्रसार 6. कटे हुए फूलों के फूलदान के जीवन को लम्बा करने के लिए रसायनों और अन्य यौगिकों का	
उपयोग। ७. पुष्प व्यवस्था प्रथाएं।	

Project/ Field trip: वाणिज्यिक बागवानी/फूलों की खेती इकाई का दौरा एवम् रिपोर्ट

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:
1. जी एस सैनी, आधुनिक शाक एवम् पुष्प उत्पादन, रामा पब्लिशिंग हाउस मेरठ।
2. श्याम सुंदर श्रीवास्तव सेंट्रल बुक हाउस सदर बाजार रायपुर

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक htpp://ecourse.iasri.res.in

Part A Introduction				
Program: Certificate		Year: First Year Session: 20-2	1	
Course	Code	V1-HOR-HORT		
Course '	Course Title Horticulture			
Course Type		Vocational		
Pre-requisite (if any) Course Learning outcomes (CLO)		Student must have studied Biology up to 12th standard		
		After studying this Course the Student will be able to identify floral plants, market demand and techniques of raising, growing and cultivation techniques		
Expected Job Role / career opportunities		Learner of this course would explore job and employment opportunities in floral marketing, gardening and essential oil related industries.		
Credit Value		4		
1 4 4	建筑是	Part B- Content of the Course	医肾性	
Total No.	of Lectures + Pra	ctical (in hours per week): L-1 Hr / P-1 Lab Hr		
		Total No. of Lectures/ Practical: L-30hrs/P-30hrs		
Module		Topics	No. of Hours	
I	India. Industria	and importance of horticulture in India. Commercial horticulture in il importance of ornamental flowers and plants. Ornamental plants ion and cultivation- Annuals, Shrubs and shrubberies. Hedges, ental climbers.	10	
II	Production techniques of ornamental plants for domestic and export market of following flower crops- Rose, Marigold, Chrysanthemum, Gladiolus, Jasmine, Dahalia, Tuberose, Bird of paradise, gerbera, Crossandra, Post harvest technology of cut and loose flowers. Dehydration techniques. Production of indoor plants and their maintenance. Flower arrangements: types and styles.			
III	Growing plants Methods of est	s under protected environment such as Glass house, Net house. ablishing lawns and their management including irrigation, owing, insect-pest and diseases and their control.	08	

Practical	
Identification and description of annuals, herbaceous, perennials. Identification of commercially important floricultural crops.	20
2. Propagation technique in gladiolus, carnation. Propagation technique in chrysanthemum and tuberose.	30
3. Sowing of seeds and raising of seedlings of annuals.	
4. Propagation of ornamental plants with particular reference to cutting	
5. Propagation of ornamental plants with particular reference to layering	
6. Use of chemicals and other compounds for prolonging the vase life of cut flowers.	
7. Flower arrangement practices.	

Project/ Field trip: Visit to commercial Horticulture/ Floriculture unit and Report

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

Singh, A.K..2006. Flower crops, cultivation and management. New India publishing agency, Pitampura, New Delhi.

Arora, J.S. 2006. Introductory Ornamental Horticulture. Kalyani Publishers, Ludhiana

Bhattacharjee, S.K. Advanced Commercial Floriculture. Aavishkar Publishers Distributors,, Jaipur Dewasish Choudhary and Amal Mehta. 2010. Flower crops cultivation and management. Oxford book company Jaipur, India.

Randhawa, G.S. Amitabha Mukhopadhyay, 2004. Floriculture in India. Allied Publishers Pvt., Ltd: S.K. Bhattacharjee and L.C. De. 2003. Advanced Commercial Floriculture. Aavishkar, Publishers, Distributors, Jaipur (Rajasthan).

T.K. Bose, L.P. Yadav, P. Patil, P. Das and V.A. Partha Sarthy. 2003. Commercial flowers. Partha Sankar Basu, Nayaudyog, 206,

Bidhan Sarani, Kolkata-700006 V.L. Sheela, 2008. Flower for trade. New India Publishing Agency, Pitampura, New Delhi.

Suggested equivalent online courses: e-reading: http://ecourses.iasri.res.in